विच कोटले डेरा सतगुरु प्यारे दा

विच कोटले डेरा सतगुरु प्यारे दा,
रूप सहा न जावे कुंडला वाले दा,

ऐसे ज्ञान दी शिक्षा मिलदी मुरझाई कली भी खिल्दी,
दरबार दी शान निराली मुड़ ेथो न कोई खाली,
अखा दे तारे दा रूप सहा न जाये कुण्डला वाले दा,
विच कोटले डेरा सतगुरु प्यारे दा,

साढ़े गुरा दी लीला निराली जिथे झुक्दी दुनिया सारी,
भगत दूर दूर तो आउंदे एथे नाम दी शिक्षा पाउंदे,
जगत सहारे दा रूप सहा न जावे कुण्डला वाले दा ,
विच कोटले डेरा सतगुरु प्यारे दा.....

गुरु सबना दे काज सवारे जेहड़ा आउंदा चल के द्वारे,
लवली भी शरणी आया एहना चरना न लगाया,
ओ वारे न्यारे दा,
विच कोटले डेरा सतगुरु प्यारे दा,

Source:
https://www.bharattemples.com/vich-kotale-dera-satguru-pyaare-da-roop-saha-na-jaaye-satguru-pyaare-da/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw